पृथ्वी पर प्लास्टिक रहेगा या हम

सुशी सक्सेना

प्लास्टिक से उत्पन्न बीमारियों पर सवाल उठता है कि हम इस बड़ी आपदा से कैसे छुटकारा पा सकते हैं? यह बड़ी चुनौती दुनिया भर के सामने आ चुकी है, उसमें माइक्रोप्लास्टिक सबसे बडी समस्या है। यह प्लास्टिक लोगों की नस नस में पहुंच चुका है। प्लास्टिक केवल सड़क के किनारे जमा कचरे के रूप में ही नहीं, बल्कि हमारे शरीर के विभिन्न अंगों में भी जम रहा है। हमें यह बात समझनी होगी कि प्लास्टिक मानव जीवन के लिए बहुत खतरनाक है और इससे मुक्ति पाने में ही हमारा भला है।

आजकल प्लास्टिक हर जगह है। वे हमारी कारों, कपड़ों, खाद्य पैकेजिंग और यहां तक कि हमारे घरों में और खून में भी हैं। अपशिष्ट प्रबंधन की चुनौतियों के साथ-साथ, प्लास्टिक महत्वपूर्ण मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित करके ग्लोबल वार्मिंग में योगदान देता है। प्लास्टिक के लिए एक चक्रीय अर्थव्यवस्था बनाने के लिए उत्पाद के जीवन के हर चरण - निर्माण से निपटान तक - पर विचार करने की आवश्यकता है, जबकि उपयोगी प्लास्टिक को अर्थव्यवस्था में और पर्यावरण से जितना संभव हो सके बाहर रखने की कोशिश की जानी चाहिए।

प्लास्टिक का ग्रह पर प्रभाव

प्लास्टिक हमारे ग्रह पर हर जगह व्याप्त है। प्लास्टिक के जो गुण प्लास्टिक को हमारे लिए इतना उपयोगी बनाते हैं - मुख्य रूप से इसका स्थायित्व - इसे हमारे स्वास्थ्य और ग्रह के लिए हानिकारक भी बनाते हैं। प्लास्टिक बायोडिग्रेडेबल नहीं है, अर्थात यह पारिस्थितिकी तंत्र में विघटित नहीं होता है। इसके बजाय, प्लास्टिक छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल जाता है और अंततः माइक्रोप्लास्टिक बन जाता है। माइक्रोप्लास्टिक ५ मिलीमीटर से छोटा प्लास्टिक का कोई भी टुकड़ा है, लेकिन उनमें से कई आंखों से देखने के लिए बहुत छोटे होते हैं। प्लास्टिक जलवायु परिवर्तन में भी प्रमुख योगदानकर्ता हैं। परिणामस्वरूप, प्लास्टिक हमारे ग्रह को नष्ट कर रहा है और हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है।

समस्या का निपटान

आज की जरूरत को देखते हुए, प्लास्टिक पर हमारा निर्भर न रहना, यह कदम उठाना सबसे कठिन है। अच्छी बात तो यह है कि छोटे-छोटे बदलाव भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हर छोटा परिवर्तन मायने रखता है! यहां कुछ तरीके दिए गए हैं जिनसे आप प्लास्टिक का उपयोग कम कर सकते हैं।

और यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि पृथ्वी पर प्लास्टिक रहेगा या हम।

- डिस्पोजेबल प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करने के बजाय एक रिफिल करने योग्य पानी की बोतल ले जाएं, बाहर जाते समय बर्तनों का उपयोग करें, और होटल से खाना पैक करने के लिए घर से कंटेनर ले जाएं।
- अपनी रसोई में कांच और धातु के खाद्य भंडारण कंटेनर चुनें। वे अनिश्चित काल तक चलते हैं और प्लास्टिक की तुलना में पर्यावरण की दृष्टि से अधिक टिकाऊ होते हैं।
- प्लास्टिक बैग के बजाय मोम के आवरण का प्रयोग करें। ये दुकानों में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं।
- प्लास्टिक किराने की थैलियों का उपयोग बंद करें। इसलिए कपास या भांग जैसे प्राकृतिक रेशों से बने बैग देखें - नए या पुराने।
- यदि प्लास्टिक अभी भी आपके काम आ रहा है तो उसे बाहर न फेंकें। जब इसका जीवनकाल समाप्त हो जाए तो बस इसे किसी बेहतर विकल्प से बदलने की योजना बनाएं।
- प्लास्टिक का रिसाइकिल भी बहुत बड़ा उपाय है इस समस्या के समाधान का।

रसायन के तत्व

जीवन देता आक्सीजन
उत्पादन बढ़ात पोटेशियम
आग लगाता है हाइड्रोजन
तो उसे बुझा दे नाइट्रोजन

जीवन देता आक्सीजन
अच्छा उर्वरक है पोटेशियम
आग लगाता है हाइड्रोजन
आग बुझाता नाइट्रोजन

क्लोरीन पानी करता साफ
मजबूत हड्डी कैल्शियम से
सुई से लेकर तलवार भी
बना देता है आयरन
फोटो रील बनाता बेरियम

सूरज में मिलता है हीलियम
कोयले से मिलता है कार्बन
नियान और आर्गन बड़े आलसी
रहते हरदम निष्क्रिय
क्रोमियम और स्टील बड़े काम के
इनसे बनते हैं बर्तन

बड़े मुलायम सोडियम मैग्नीशियम
एल्यूमिनियम से बनते प्रकाश यंत्र
रेडियम होता बड़ा चमकीला
बनाकर बम क्रिप्टन भय फैलाता सर्वत्र

परमाणु ऊर्जा देते थोरियम यूरेनियम
सौर प्लेट का निर्माण करती चांदी
सोने और चांदी होते हैं
सबको अति प्यारे
कापर के बर्तन भी होते हैं
कितने न्यारे